

मैं हूं शरण मे तेरी संसार के रचैया

मैं हूं शरण मे तेरी संसार के रचैया कश्ती मेरी
लगादो उस पार ओ कन्हैया

मेरी अरदास सून लीजे प्रभू सूध आन कर लीजै
दरस एकबार तो दीजै मौ समझुंगा श्याम रीझे
पतवार थाम लो तूम मजधार मे है नैया, मैं हूं शरण...

भक्त बेचैन हूं तूम बीन तरसते नैन है तूम बीन
अंधेरी रैन है तूम बीन कही ना चैन है तूम बीन
है उदास देखो तूम बीन गोपी ग्वाल, मैं हूं शरण...

दयानीधी नाम है तेरा कहाते हो अन्तर्यामी
समाये हो चराचर मे सकल संसार के स्वामी
नमामी नमामी हरदम बृजधाम के बसैया, मैं हूं शरण...

तेरी यादो का मनमोहन ये दिल मे उमड़ा है सावन
बूझेगी प्यास इस दिल की सूनूंगा जब तेरा आवन
पावन पतीत हूं करना जगदीश ओ कन्हैया, मैं हूं शरण...

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35504/title/mai-hu-sharan-me-teri-sanshar-ke-rachaiya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले।